36 रेलवे स्टेशनों और 1.54 एकड़ खाली भूमि पर लगेंगे सोलर पैनल

- यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में लगाए जा चुके हैं 500 केडब्ल्यूपी के रूफ टाप सोलर पैनल
- एनईआर ने सोलर पैनल से आठ माह में तैयार कर लिया 36.25 लाख यूनिट सौर ऊर्जा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : पूर्वोत्तर रेलवे के 36 स्टेशन और 1.54 एकड़ खाली भूमि पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। इसमें मुख्यालय गोरखपुर सहित लखनऊ, वाराणसी और इज्तनगर मंडल शामिल है। इन पैनलों से चार मेगावाट सौर ऊर्जा के उत्पादन का लक्ष्य है। सोलर पैनल उस खाली भूमि पर लगाए जाएंगे, जो बिजली ट्रांसफार्मरों के नजदीक होगी। संबंधित विभाग और अधिकारियों ने अध्ययन कर लिया है। पैनल लगने से खाली भूमि पर अतिक्रमण का खतरा नहीं रहेगा।

ऊर्जा संरक्षण के अंतर्गत रेलवे प्रशासन ने रूफ टाप सोलर पैनल लगाने की कवायद तेज कर दी है। पूर्वोत्तर रेलवे में कुल 6.58 मेगा वाट क्षमता (एमडब्ल्यूपी) के रूफ टाप सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं। इनसे वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 में नवम्बर तक 36.25 लाख यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन हुआ। लखनऊ एवं वाराणसी मंडल के स्टेशनों में रूफ टाप सोलर पैनल लगाए जाने की प्रक्रिया चल रही है। यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में 500 केडब्ल्यूपी एवं इज्जतनगर लोको शेड में 150 केडब्ल्यूपी सहित 02 सर्विस भवनों पर 650 किलो वाट क्षमता के रूफ टाप सोलर पैनल लगाए गए हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशन भी सौर ऊर्जा से गुलजार होंगे। 94 स्टेशन पहले से सौर ऊर्जा से जगमगा रहे हैं। इनके अलावा कार्यालय भवन, चिकित्सालय, प्रशिक्षण केन्द्र, कोचिंग काम्प्लेक्स, समपार फाटक, अतिथि गृह और प्रेक्षागृह आदि 31 कार्यस्थलों पर भी सौर ऊर्जा का उपयोग हो रहा है। अमृत भारत स्टेशनों के पुनर्विकास के साथ सोलर प्लांट भी लगाए जाएंगे, जो हरित रेल के विकास में अहम भूमिका निभाएंगे। रेलवे ने 2030 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। पूर्वोत्तर रेलवे बिजली बनाने के लिए 93 करोड़, 75 लाख रुपये का निवेश करेगा। स्टेशनों और विभागों में बन रहे नए भवनों और रेलवे की खाली भूमि पर पार्टनरशिप के अंतर्गत सोलर प्लांट लगाए जाएंगे।